

श्रवण संरक्षण कार्यक्रम

शोर को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए, सरकार, नियोजकों और कर्मचारियों को एक साथ काम करना चाहिए। शोर नियंत्रण पर मौजूदा कानून का उद्देश्य शोर के स्रोत और विस्तार को कम करना है।

1) शोर के स्रोतों को कम करने हेतु —

- कम ध्वनि वाली मशीन का प्रयोग करें
- प्रभाव कम करें या कंपन विरोधी उपकरण की गद्दी लगाएँ
- शब्द-प्रशामक यंत्र या साइलेंसर लगाएँ
- मशीनों का नियमित रखरखाव और मरम्मत करें

2) शोर प्रसार पर नियंत्रण —

- शोर के स्रोत को अलग करें
- उपयुक्त ध्वनि अवशोषक सामग्री या ध्वनि अवरोध का प्रयोग करें

3) प्रशासनिक उपायों का उपयोग करें—

- शोर भरे वातावरण में लंबे समय तक काम करने से बचने के लिए, कर्मचारियों के लिए इनका प्रबंध करने पर विचार करें
- नियमित आराम अवकाश
 - सविराम काम आवर्तन

4) व्यक्तिगत कान संरक्षक पहनें —

कारखानों और औद्योगिक उपक्रमों (कार्यस्थल पर शोर) के अधिनियम के तहत, नियोजक अपने कर्मचारियों के लिए उपयुक्त स्वीकृत कान संरक्षक प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं।

कान के संरक्षक मुख्य रूप से कान का टोप (इयर मफ़) और कान बंद करने की डाट (इयर प्लग) है:

कान का टोप (इयर मफ़)

- पहनने में आसान और मजबूती से शोर के प्रभाव को कम करने का ढंग
- उचित तौर पर पहनने के निर्देश: दोनों कानों को कान के टोप द्वारा पूरी तरह से ढकना चाहिए।



कान बंद करने की डाट (इयर प्लग)

- दो प्रकार: एकाधिक उपयोग और निपटान योग्य
- उचित तौर पर पहनने के निर्देश: अपने सिर के पीछे से विपरीत हाथ से अपने कान के ऊपरी हिस्से को ऊपर और पीछे की तरफ खींचें, फिर दूसरे हाथ से ध्यानपूर्वक कान बंद करने की डाट (इयर प्लग) को भीतर डाल दें।



स्मरण रहे: यह महत्वपूर्ण है कि कान का टोप (इयर मफ़) और कान बंद करने की डाट (इयर प्लग) पहनने से आपात संवेद्य ग्रहण करने में हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। कान के टोप और कान बंद करने की डाट पहनने की जगह रुई या साधारण इयरफोन का प्रयोग न करें।

5) नियमित रूप से श्रवण परीक्षण की व्यवस्था करें—

- श्रवण क्षति का जल्दी पता लग सकता है और उचित निवारक और उपचारात्मक उपाय किये जा सकते हैं।



पूछताछ सेवा

इस सूचना-पत्रक की पूछताछ या व्यावसायिक स्वास्थ्य मामलों पर सलाह के लिए निम्न माध्यमों से, कृपया श्रम विभाग की व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य शाखा से संपर्क करें:

टेलीफोन : 2852 4041

फैक्स : 2581 2049

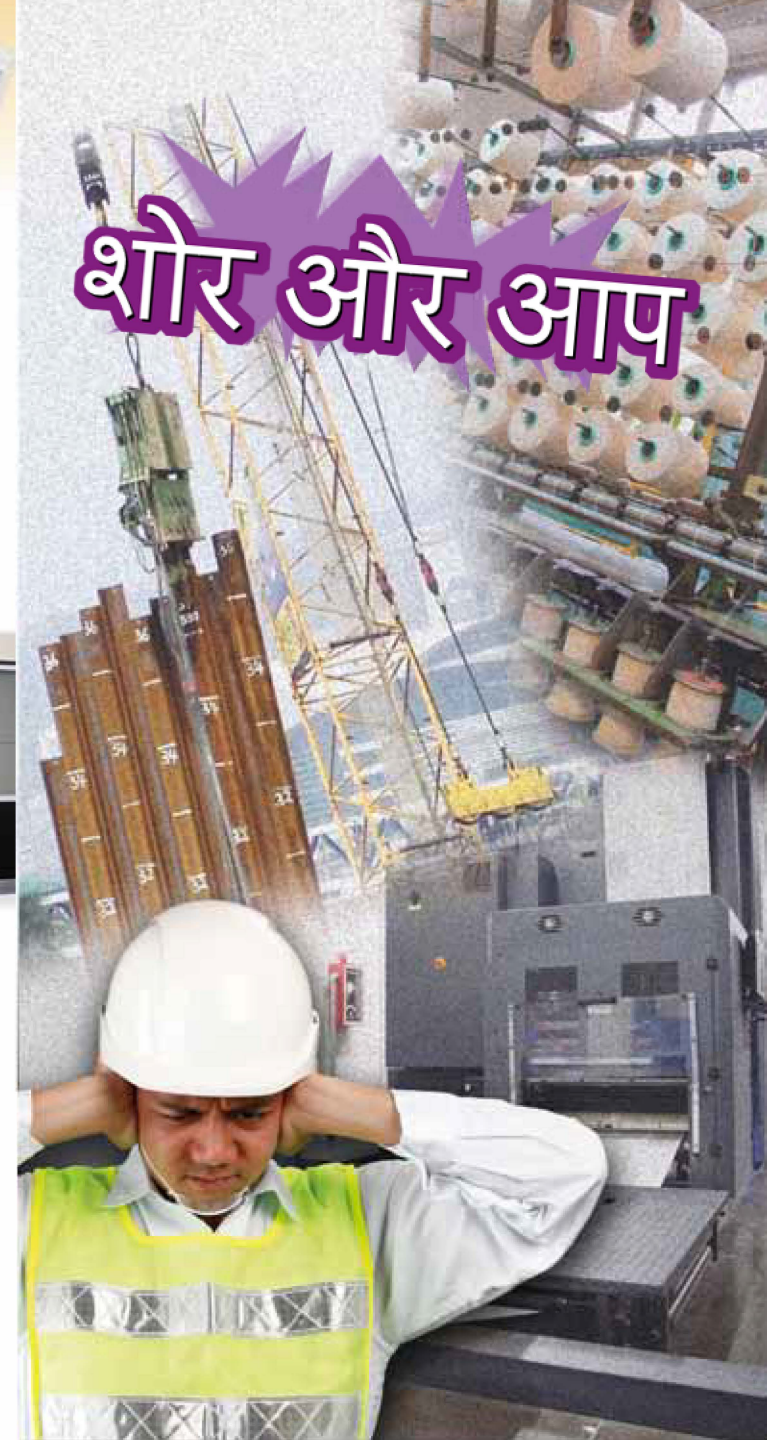
ईमेल : enquiry@labour.gov.hk

श्रम विभाग द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और मुख्य श्रम कानून की जानकारी हमारी वेबसाइट <http://www.labour.gov.hk> पर भी प्राप्त की जा सकती है।

शिकायतें

अगर असुरक्षित कार्यस्थलों और कार्यप्रणालियों के बारे में आपकी कोई शिकायत है, तो कृपया श्रम विभाग के व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य शिकायत हॉटलाइन 25422172 पर कॉल करें। सभी शिकायतों को पूरी गोपनीयता के साथ रखा जाएगा।

शोर और आप





कार्यस्थल पर शोर के स्रोत

शोर मुख्य रूप से कार्यस्थलों के भीतर मशीनों के संचालन और उपकरणों के उपयोग से उत्पन्न होता है। निर्माण, खदान, धातु का काम, प्लास्टिक, कपड़ा, बर्तनगिरी, छपाई, मनोरंजन, सुअर पशुसंहार आदि जैसे उद्योगों में शोरभरी कार्य प्रक्रियाओं का निष्पादन किया जाता है।

व्यावसायिक बहरापन

शोर भीतरी कान की श्रवण तंत्रिका कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। एक बार क्षतिग्रस्त होने के बाद इन कोशिकाओं को स्वस्थ नहीं किया जा सकता और यह श्रवण शक्ति की स्थायी दुर्बलता का कारण बन जाता है और बहरेपन का भी। जितनी लम्बी शोर से संपर्क की अवधि होगी, उतनी ही अधिक श्रुति हानि होगी। व्यावसायिक बहरापन लाजलाज है और इसीलिए बेहद जरूरी है कि इसकी रोकथाम करें।

श्रुति हानि का जोखिम, शोर के संपर्क में व्यक्तिगत दैनिक मात्रा द्वारा निर्धारित किया जाता है। वैज्ञानिक शोधों से पता चला है कि ध्वनि के 85 dB(A) स्तर तक वातावरण में

लगातार आठ घंटे संपर्क में होने से श्रवण क्षति होने की अधिक संभावना है।

कारखानों और औद्योगिक उपकरणों (कार्यस्थल पर शोर) के अधिनियम के तहत, नियोजकों का कर्तव्य है कि कार्यस्थलों पर शोर के स्तर के अनुसार श्रवण संरक्षण के उपायों का पालन करें। कर्मचारियों को उनके नियोजकों के साथ सहयोग करना चाहिए और श्रवण क्षति की रोकथाम के लिए अपने सुरक्षा कर्तव्यों का खुद पालन करना चाहिए।

श्रवण क्षति के लक्षण

- निरंतर या सविराम कर्णक्षेप (टिनिटस)
- बातचीत के दौरान या फोन पर लोगों के साथ संवाद करने में परेशानी
- रेडियो या टेलीविजन की ध्वनि बढ़ाने की जरूरत
- ध्यान केंद्रित करना मुश्किल
- अनिद्रा



शोर का स्वास्थ्य पर प्रभाव

शारीरिक

- कर्णक्षेप (टिनिटस)
- श्रवण क्षति
- घबका आना, सिर दर्द, अनिद्रा, थकान
- हृदय गति में वृद्धि, उच्च रक्तचाप
- भूख ना लगना, अपघ

मनोवैज्ञानिक

- चिड़चिड़ापन
- मानसिक तनाव
- भावनात्मक बेचैनी



दैनिक जीवन

- जीवन में दिलचस्पी पर प्रभाव
- परिवार और सामाजिक जीवन पर प्रभाव
- निजी सुरक्षा को खतरा
- काम की सुरक्षा को खतरा

